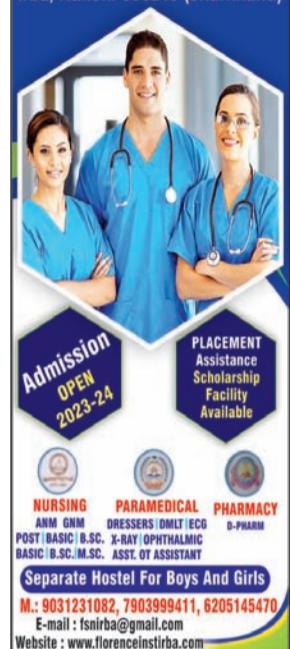


आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of: Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



पाकिस्तानी रेंजर्स ने पूर्व प्रधानमंत्री पर लिया एकशन

इमरान खान गिरफतार

दो मामलों में जमानत के लिए इमरान कोट पहुंचे थे शीशा तोड़ कर किया गया गिरफतार
पार्टी बोली, इमरान को टॉर्चर कर रहे

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मंगलवार दोपहर की बजे इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफतार कर लिया गया। उनकी गिरफतारी पाकिस्तानी रेंजर्स ने की है। इमरान खान दो मामलों में जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआर) ने आरोप लगाया-इमरान खान को पीटा जा रहा है।

पार्टी ने खुन से लथपथ इमरान के बकील का वीडियो भी पोस्ट किया है।

आईजी अकबर खान ने कहा कि अल-कादिर ट्रस्ट स्कैम केस में इमरान को गिरफतार किया गया है। पाकिस्तान के अखबार के मुतबियत अल कादिर ट्रस्ट स्कैम के बाद घोटाला 50 अरब रुपये से ज्यादा का है और इसका फायदा सिर्फ इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने उठाया।

रविवार को एक रैली में इमरान ने खुफिया एजेंसी आइएसआइ की पॉलिटिकल विंग के चौक फैसल नसीर पर बैहद संगीन आरोप



लगाये थे। खान ने कहा था कि फैसल में रेकर्ड करना चाहते हैं।

इसमें कुछ अफसर उनका साथ दे रहे हैं फौज को मजबूरन सामने आकर इन आरोपों के खिलाफ करना पड़ा। इसके बाद मंगलवार

में कहा कि खान को टॉर्चर किया जा रहा है। वे खान सहब को मार रहे हैं। पार्टी के ऑफिशियल ट्रिवर अकाउंट पर इमरान के बकील का भी वीडियो शेयर किया गया है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के चीफ जरिस आमेर फारूक ने गिरफतारी के बाद हाम सेक्रेटरी और इस्लामाबाद के पुलिस चीफ को 15 मिनट के शीत कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। जरिस फारूक ने कहा कि आमेर पुलिस चीफ कोर्ट में पेश नहीं हुए, तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को यहां बुलायेंगे। ये लोग कोर्ट में आये और बताये कि इमरान को किस मामले में और क्यों गिरफतार किया गया?

इसके बकील चार घंटे बाद हाईकोर्ट के बायोमैट्रिक रूप से शीशा तोड़ कर गिरफतार कर लिया गया। इमरान की पार्टी पीटीआर के नेता मुसरूर ने एक वीडियो मैसेज

ऋतिवक कंपनी के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर को अपराधियों ने सरेआम गोलियों से भून डाला

बड़कांगांव साइट पर गये थे शरद
एनटीपीसी के साथ काम करती थी कंपनी
दो मोटरसाइकिल सवार ने दिया घटना को अंजाम
शरद बुलेटप्रूफ की जगह दूसरी गाड़ी में थे सवार

पिंटु कुशवाहा दिनकर

बड़कांगांव। हजारीबाग जिले के बड़कांगांव स्थित एनटीपीसी साइट पर दिनदहाड़े अपराधियों ने एनटीपीसी के साथ काम करनेवाली कंपनी के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर शरद की गाड़ी मार कर हत्या कर दी। घटना दोपहर 10 बजे की है। घटना दोपहर 2 बजे घटना को दोस्तों द्वारा बुलेटप्रूफ गाड़ी में दफ्तर जाते हुए हो गई। दोनों को तत्काल लागी। वह मंगलवार को बुलेटप्रूफ गाड़ी छोड़ कर स्टॉपीयों से साइट के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेट के पद पर काम करनेवाले शरद हैदराबाद के रहनेवाले थे। हत्या बड़कांगांव स्थित एनटीपीसी साइट एनटीपीसी के बाहर ही की गयी है।

बॉडीगार्ड भी घायल, चल रहा है इलाज :

प्रातः जानकारी के अनुसार घटना बड़कांगांव थाना

से महज डेढ़ किलोमीटर दूर हजारीबाग-बड़कांगांव

मेनरोड के हेटगढ़ा की है। शरद

और बॉडीगार्ड स्कर्पियो गाड़ी

(जेए 2 एडब्ल्यू 2210) के ड्राइवर के साथ हजारीबाग से

पुलिस ने सर्च अभियान तेज कर दिया है।



केरेडारी कार्यलय जा रहे थे। तभी अपराधियों ने उनकी गाड़ी पर तबड़ी फायरिंग कर दी। इस गोलाबारी में शरद को सिनेमे एवं बॉडीगार्ड पुलिस के जवान राजेन्द्र प्रसाद को दफ्तर जाते हुए रहा। दोनों को तत्काल लागी। दोनों को बुलेटप्रूफ गाड़ी से दफ्तर जाते हुए वह मंगलवार को बुलेटप्रूफ गाड़ी छोड़ कर स्टॉपीयों से साइट के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेट के पद पर काम करनेवाले शरद हैदराबाद के रहनेवाले थे।

पुलिस ने गोली मारी और बुलेटप्रूफ गाड़ी को छोड़ा। कहीं योजनाबद्ध तरीके से इस घटना को अंजाम तो नहीं दिया गया।

किसने उन्हें अपनी बुलेटप्रूफ गाड़ी छोड़ने के लिए और दूसरे वाहन पर जाने के लिए कहा?

मामले की जांच की जा रही। एसपी मोज रत्न चौथे ने कहा कि अधिकारी वाहन पर जाने के लिए और दूसरे

के बाद एसडीपीओ बड़कांगांव के बुलेटप्रूफ गाड़ी को छोड़ा।

पुलिस ने गोली मारी और बुलेटप्रूफ गाड़ी को छोड़ा। कहीं योजनाबद्ध तरीके से इस घटना को अंजाम तो नहीं दिया गया।

पुलिस ने उन्हें अपने बुलेटप्रूफ गाड़ी छोड़ने के लिए और दूसरे वाहन पर जाने के लिए कहा?

मामले की जांच की जा रही। एसपी मोज रत्न चौथे ने कहा कि विद्युत कंपनी के पदाधिकारी को लेकर कमेटी के कुछ लोगों से गोपाल सिंह का साथ अनबन करवा दी गयी। बॉडीगार्ड को गोलियां लगी हैं। घायल बॉडीगार्ड का इलाज जारी है। घटना के बाद

तुरंत सभी रास्तों में चेकिंग शुरू कर दिया गया है। छापामारी भी जारी है। घटना को किसीने अंजाम दिया इसकी पड़ताल हो रही है।

त्रिवेणी के एजीएम की भी हुई थी हत्या : बताते चले कि एवं में बड़कांगांव एनटीपीसी रिपोर्ट एजीएम के एजीएम गोपाल सिंह की हत्या 2 दिसंबर 2019 को हजारीबाग के जुन्यु पार्क रोड के पास देर शाम में अपराधियों ने गोली मारकर कर दी थी। जिसकी गहन कानूनी वायनांव एनटीपीसी से साइट के एजीएम गोपाल सिंह की हत्या 6 लोगों ने मिलकर किया था। ठेकेदारी करने को लेकर कमेटी के कुछ लोगों से गोपाल सिंह का साथ अपराधियों को बुलाकर उसकी हत्या करवा दी गयी।



ST. MARIAM'S SCHOOL

In the Memory of Sumitra Devi

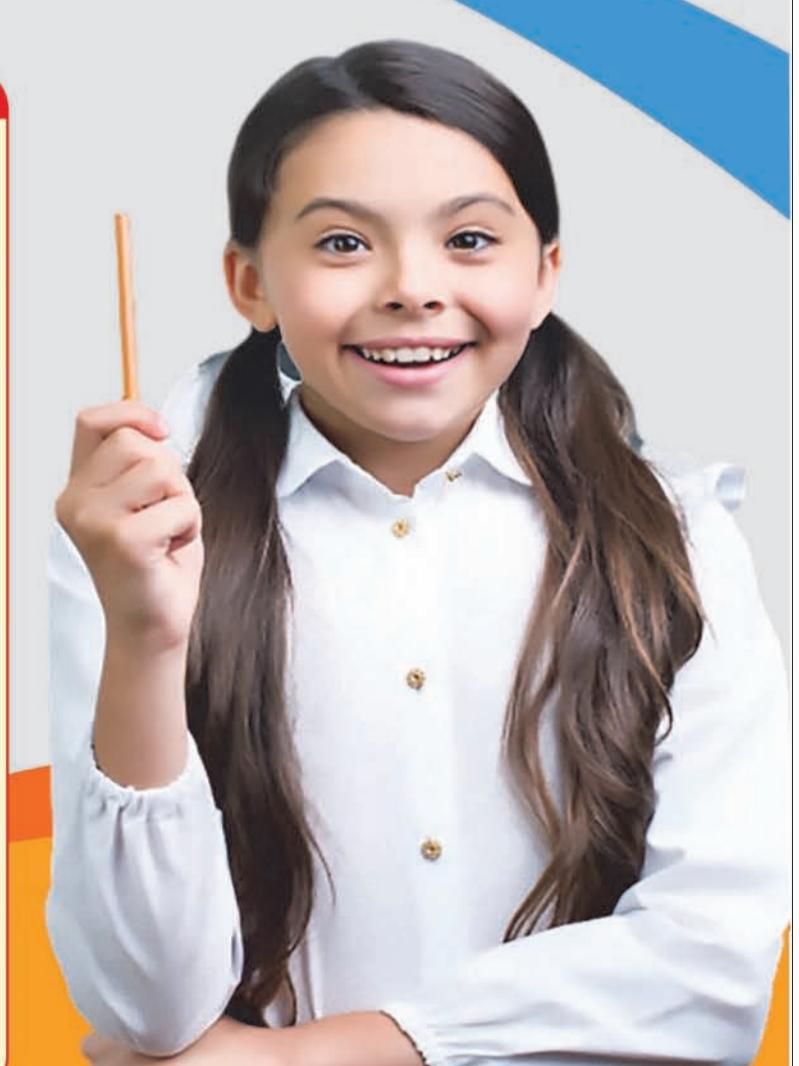
RUN AND MANAGED BY SUMITRA FOUNDATION REGISTRATION NO. 934/24/2012

Affiliated to C.B.S.E, New Delhi

10+2

SPECIAL FEATURES

- ❖ आवासीय विद्यालय चहारदीवारी के बीचो-बीच स्थित।
- ❖ बाहरी बच्चों के आने-जाने के लिये सुरक्षित वाहन की व्यवस्था।
- ❖ आवासीय छात्र-छात्राओं के लिये सुरक्षित आवास की व्यवस्था।
- ❖ छात्र-छात्राओं के आवास में पुरुष तथा महिला सुरक्षाकर्मी की व्यवस्था।
- ❖ विद्यालय में आर.ओ.जल की समुचित व्यवस्था।
- ❖ छात्र-छात्राओं को कबड्डी, बैडमिंटन, करार्ट जैसे खेलों की व्यवस्था।
- ❖ प्रति छात्र - छात्रा कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था।
- ❖ स्मार्ट क्लासरूम की समुचित व्यवस्था।
- ❖ आवासीय छात्र-छात्राओं के लिये ट्यूशन की व्यवस्था।
- ❖ प्रत्येक महीने के अंतिम शनिवार को संस्कारशाला की व्यवस्था।
- ❖ विज्ञान प्रयोगशाला की उचित व्यवस्था।



Classes of std 11th

Start

From 24th April

Admission Continue...

Best Choice For Your
Lovely Kids

अविनाश देव

ADDRESS : Koyal River Side, Dalitonganj (PALAMU)

Mob : 9955865321, 9955865193, 06562-796343

www.stmariams.com

आजाद सिपाही



बाबूलाल मरांडी ने सरकार को बताया फरार दहू यादव का पता

भाजपा विधायक दल नेता ने ट्वीट कर दी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। साधारणजे के दहू यादव की तलाश में झारखंड पुलिस लगी है। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) भी उसके पीछे लगी है। यहां तक कि पिछले दिनों उसके घर की कुक्की जब्ती भी की गयी है। इस बीच भाजपा विधायक दल के नेता सह पूर्व सीमा बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और पुलिस को उसके ठिकाने के बारे में बताया है। उन्होंने ट्वीट कर मुख्यमंत्री को इंगित करते हुए आगे लिखा कि वो दिनों पहले दहू के बाहं कुक्की हेमंत सोरेन से कहा है कि इडी ने चिंता जाते हुए कहा है कि झारखंड में खासकर बांग्लादेश से सर्व संथालपरगना के इलाके में आदिवासी संताल बच्चियां जिहादियों का शिक्षक बन रही हैं। जब्ती की नौटंकी वाली खुब पर ऐसे में हेमंत सोरेन को अपने आदिवासी संताल समाज की बच्चियों में जागरूकता लाने और काम राज्य की इच्छत की तो चिंता करे। सरकार कलम उठाये और मीटिंग कर रहा है, जबकि सरकार आपसी न जड़ा हो गया। बाबूलाल अपनी दहू यादव अभियुक्त और सरकार अपनी न जड़ा हो गया। उन्होंने लिखा कि उसके नहीं पकड़े जाने का कारण यह है कि दहू यादव के चांदी के चमचमते जूते की ओट देखिये अपकी वहीं पुलिस दो घटे में दहू को छुटने के बल चला कर बढ़े हुए हैं। सता का संरक्षण है, सो अलग। उन्होंने मुख्यमंत्री को इंगित करते हुए आगे लिखा कि वो दिनों पहले दहू के बाहं कुक्की हेमंत सोरेन को अपने आदिवासी नज़र पड़ी ही होगी।

जेल पहुंचा देगी। बाबूलाल ने सीएम के अलावा डीआइजी दुमका और झारखंड पुलिस के साथ भी सोशल मीडिया के जरूर इस बच्चना को साझा किया है। केरला स्टोरी फिल्म को टैक्स प्री करे सरकार : बाबूलाल मरांडी ने चिंता जाते हुए कहा है कि झारखंड में खासकर बांग्लादेश से सर्व संथालपरगना के इलाके में आदिवासी संताल बच्चियां जिहादियों का शिक्षक बन रही हैं। इडी ने मंगलवार को 50 करोड़ 41 लाख रुपये नगदी अटैच किया है। इसके साथ ही लक्जरी कार, आभूषण और 90 अचल संपत्ति को कुर्क किया है। इसके बाद कोयला घोटाले में अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। गैरतलब है कि इसमें घोटाले में इडी की कुल कुक्की की रशि बढ़ कर 221 करोड़ 80 परिश रुपये हो गयी है। कुक्की की रशि बढ़ कर 221 करोड़ 80 परिश रुपये के घोटाले होने का दावा किया है।

छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाले में इडी की बड़ी कार्रवाई 50.40 करोड़ नगदी समेत 221 करोड़ की संपत्ति अटैच

विधायक, आईएस, कालोबारी और पार्टी नाटाओं के बांह हुई कार्रवाई

नगदी के अलावा लहरी गाडियां, ज्वेलरी भी कुर्क

आजाद सिपाही संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) का एकशन जारी है। इडी ने कोयला घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। इडी ने मंगलवार को 50 करोड़ 41 लाख रुपये नगदी अटैच किया है। इसके साथ ही लक्जरी कार, आभूषण और 90 अचल संपत्ति को कुर्क किया है। इसके बाद कोयला घोटाले में अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। गैरतलब है कि इसमें घोटाले में इडी की कुल कुक्की की रशि बढ़ कर 221 करोड़ 80 परिश रुपये हो गयी है। कुक्की की रशि बढ़ कर 221 करोड़ 80 परिश रुपये के घोटाले होने की चाही थी। इडी ने एसपीटी, सौम्या चौरसिया, सुनील अग्रवाल और अन्य की 170 करोड़ 80 परिश की संपत्ति कुर्क की थी।

इडी ने मंगलवार को प्रेस विवरिति जारी की। इसमें कहा गया है कि आयकर विभाग की शिक्षायत के आधार पर है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाले में जबरन वसूली मामले में इडी ने बड़ी कार्रवाई की है। इसमें अभियुक्तों को पोएमएलए के तहत आइएस रानू साह, करोबारी सूरक्षकांत तिवारी, विधायक देवेंद्र यादव और चंद्रेन्द्र प्रसाद राय, नायिक विहासत में हैं।



30 जून को भोगनाडीह में होगा राजनीतिक विरफोट : लोबिन

कहा-राज्य के सभी डीसी और सीओ की संपत्ति की जांच करायी जाये



आजाद सिपाही संवाददाता रांची। झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने एक बार फिर सरकार को धेरा है और सीएनटी, एसपीटी एक्ट के संरक्षण की वकालत की है। इसमें राज्य सरकार की विफलता का भी आरोप लगाया गया। मंगलवार को पुनर्नवेदन से विधानसभा परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उल्लेख किया कि लंबे संघर्ष के बाद धरती आब बिरसा मुंडा और अन्य शहीदों के योगदान से राज्य में सीएनटी, एसपीटी एक्ट बना। उद्देश्य था जनजाति समाज की जमीन, विरासत की रक्षा करना, पर इतना कुछ होने के बाद भी यहां जमीन लूटी जा रही है। लोबिन के मुताबिक वह दिन-रात सोचते हैं कि इस स्थिति में युरुजी (सांसद शिवू संसेन) को कैसा महसूस करते होंगे। स्थिति यह है कि आज राज्य में बहुत सारे छवियां उठाए जाएं तो उन्हें जमीन के बारे में बहुत सारी जानकारी मिल रही है।

मर्जीन मंगानी पड़ी। जमीन के भी कागजात उसके घर से मिले। आइएसपीटी पूजा संघर्ष का पल्स भूमिहरी जमीन पर बना है। अब ऐसे में लोग कहां जायें। चुनावी घोषणा पत्र में झामुमो ने एसपीटी, सीएनटी एक्ट को सख्ती से लागू करने की बात की थी। उहोंने खुद विधानसभा में भी कई चाही जारी किया है। वह दिन-रात सोचते हैं कि इस स्थिति में युरुजी (सांसद शिवू संसेन) को कैसा देखनी पड़ेगी। उहोंने सरकार से मांग की कि राज्य के सभी डीसी और सीओ की संपत्ति की जांच राजनीतिक विस्फोट : लोबिन द्वारा किया जाए। वीर शहीद सिद्दा कान्दू की धरती और उके जन्मदिन पर बड़ा विस्फोट उनकी ओर से होगा।

लोबिन हेंब्रम ने चेतावनी देते हुए कहा कि भोगनाडीह में 30 जून को राजनीतिक विस्फोट होगा। वीर शहीद सिद्दा कान्दू की धरती और उके जन्मदिन पर बड़ा विस्फोट उनकी ओर से होगा। उहोंने कहा कि सच कहना अगर बगावत है, तो मैं बापी हूं। सुनों की माने तो लोबिन हेंब्रम एक नयी राजनीतिक पारी की शुरुआत की घोषणा कर सकते हैं।



गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखण्ड अभियोजन सेवा हेतु चयनित सहायक लोक अभियोजक का

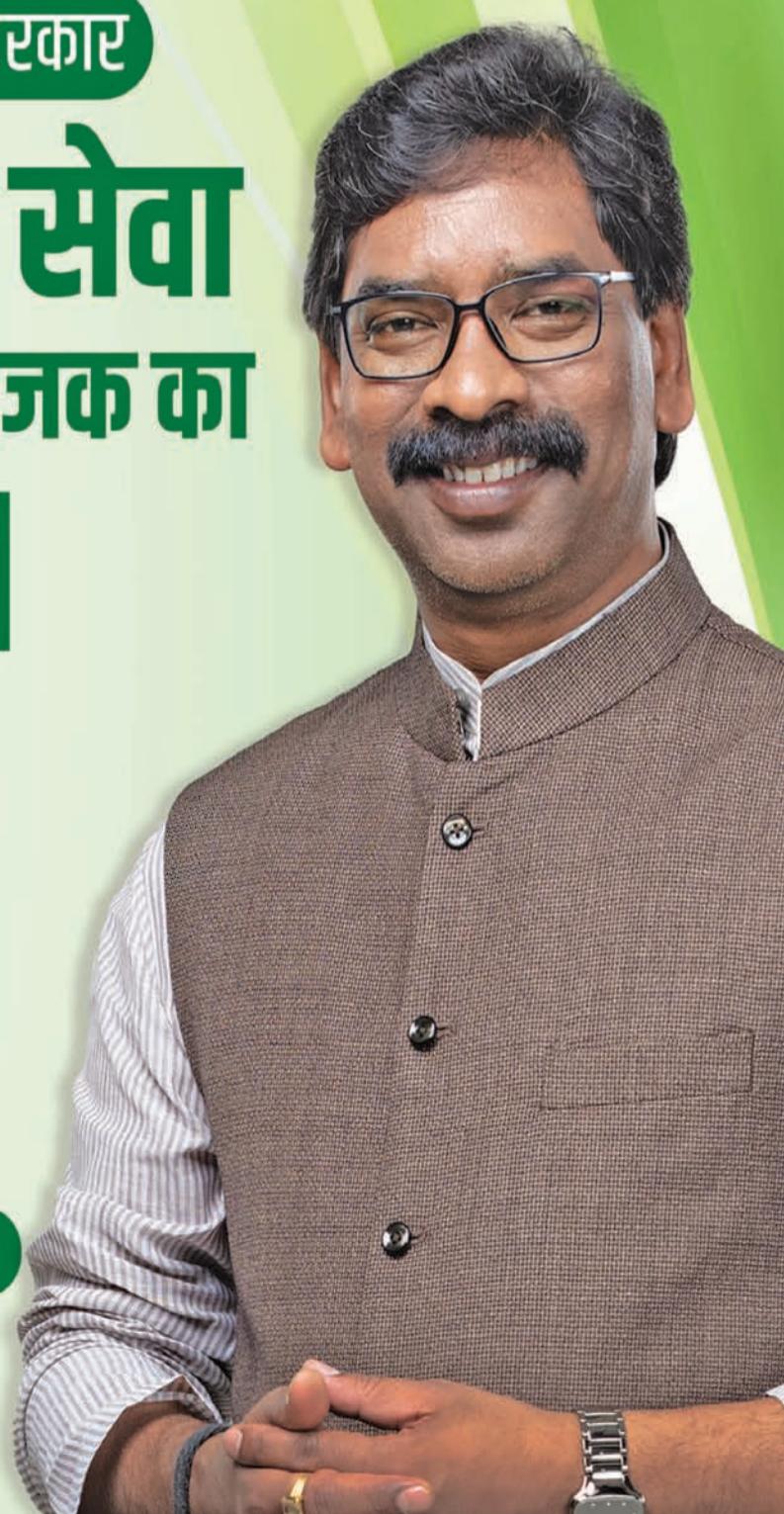
नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड
के कर कमलों द्वारा

दिनांक : 10 मई, 2023 | समय : अपराह्न 1 बजे

स्थान : प्रोजेक्ट भवन, द्वितीय तल सभागार,
धूर्वा, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार



संपादकीय

सियासत के दांव

जस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खिलाफ किया कि 2020 में जब उनकी सरकार को गिराने की साजिश हुई, तब पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता वसुधरा राजे सिंधिया ने उनका साथ दिया था। उनकी मदद की बदौलत ही वह साजिश नाकाम की जा सकी थी। गहलोत के मुताबिक तब सरकार गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों के बीच पैसे भी बढ़ते गये थे। चूंकि सरकार गिरानी नहीं जा सकी, इसलिए उन्होंने अपने विधायकों से कहा कि वे पैसे वापस करें, लेकिन जिन्होंने पैसे दिये थे, पता नहीं किसे वापस ले ही नहीं रहे। इस पूरे मामले पर गौर करें तो कई गंभीर सवाल उभरते हैं। अब वह तो गहलोत ने जो बात नहीं कही, वह वह कि सरकार गिराने की उस काथित साजिश में प्रलक्ष भूमिका सञ्चिन पायलट की थी, जो उनकी अपनी पार्टी के है। दूसरी बात यह कि अपर खुद गहलोत के कहे मुताबिक उनकी अपनी पार्टी के विधायकों ने पैसे स्वीकार किये उनका दायर्त है कि उन विधायकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायें क्योंकि कानून रिश्ते देना और लेना दोनों अपराध है। बीजेपी ने ऐसी मांग भी की है, लेकिन इन कानूनों पहलुओं से अलग शुद्ध राजनीतिक नज़रए से देखा जाये तो संसदीय लोकतंत्र में विभिन्न पार्टियों के बीच की रस्साकारी कई बार किस तरह के नाटकीय दृश्य उपस्थित कर देती है, उसका यह एक दिलचस्प उदाहरण है। हालांकि ऐसे मामलों की अंतिम सचिवाई की तरीफ समाप्त नहीं आती। इस मामले में किसकी बातों में कितनी सचाई है यह पता करना कीबीब-करीब नामुमकिन है। वसुधरा राजे ने सीएम गहलोत की बातों को संकेत झूट कह भी दिया है, लेकिन वह तो सच है कि जब सचिन पायलट अपने करीबी विधायकों के साथ हरियाणा जाकर बैठ गये थे और कांग्रेस विधायकों में अकरातफरी का माहौल बनने लगा था, तभी कुछ समय में माहौल शांत होने लगा, कांग्रेस के विधायक गहलोत के समर्थन में आने लगे और वह स्पष्ट हो गया कि पायलट गहलोत की सरकार गिराने की विश्वासीता में नहीं रह गये हैं। उस समय भी मीडिया में सौंदर्य के फ़हाले से ये खबरें आयी थीं कि परदे के पीछे गहलोत को वसुधरा राजे का समर्थन मिल चुका है। उसके बाद यह परस्परण बना कि कांग्रेसी विधायकों का एक धड़ा समर्थन वापस ले ले तो भी दूसरी तरफ से उसकी भरपाई हो सकती है। स्वाधारिक ही उसके बाद कांग्रेस विधायकों में बगावत का जोश ठंडा पड़ गया। राजनीती में ऐसे दांव-पेच नये नहीं, लेकिन दिलचस्प है कि एक समय जिनकी मदद से सरकार बची, दूसरे समय उन्हीं को एक्सपोज करने में सीएम गहलोत नहीं हिचक रहे और जिन लोगों ने कथित तौर पर मदद की। वे धन्यवाद स्वीकार करने तक में न केवल घबरा रहे हैं, बल्कि सराहना का जवाब आक्रमक आरोपों से दे रहे हैं। सचमुच राजनीति एक अंजाम खेल रही है।

राजनीति में ऐसे दांव-पेच नये नहीं, लेकिन दिलचस्प है कि एक समय जिनकी मदद से सरकार बची, दूसरे समय उन्हीं को एक्सपोज करने में सीएम गहलोत नहीं हिचक रहे और जिन लोगों ने कथित तौर पर मदद की।

करीबी विधायकों के साथ हरियाणा जाकर बैठ गये थे और कांग्रेस विधायकों में अकरातफरी का माहौल बनने लगा था, तभी कुछ समय में माहौल शांत होने लगा, कांग्रेस के विधायक गहलोत के समर्थन में आने लगे और वह स्पष्ट हो गया कि पायलट गहलोत की सरकार गिराने की विश्वासीता में नहीं रह गये हैं। उस समय भी मीडिया में सौंदर्य के फ़हाले से ये खबरें आयी थीं कि परदे के पीछे गहलोत को वसुधरा राजे का समर्थन मिल चुका है। उसके बाद यह परस्परण बना कि कांग्रेसी विधायकों का एक धड़ा समर्थन वापस ले ले तो भी दूसरी तरफ से उसकी भरपाई हो सकती है। स्वाधारिक ही उसके बाद कांग्रेस विधायकों में बगावत का जोश ठंडा पड़ गया। राजनीती में ऐसे दांव-पेच नये नहीं, लेकिन दिलचस्प है कि एक समय जिनकी मदद से सरकार बची, दूसरे समय उन्हीं को एक्सपोज करने में सीएम गहलोत नहीं हिचक रहे और जिन लोगों ने कथित तौर पर मदद की। वे धन्यवाद स्वीकार करने में न केवल घबरा रहे हैं, बल्कि सराहना का जवाब आक्रमक आरोपों से दे रहे हैं। सचमुच राजनीति एक अंजाम खेल रही है।

स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी के 168वें आविर्भाव दिवस पर विशेष

एक ज्ञानावतार का युग-युगांतर का तराशा हुआ आदर्श जीवन

संघर्ष एस नाथर



ली दी दीपाली दीपाली

कहा करते थे, स्थिर, दैनिक आध्यात्मिक प्रगति के अतिरिक्त सम्मान के बाद्य प्रतीकों का कई महत्व नहीं है। वे उन्हें क्रियायोग की अत्यधिक उन्नत आध्यात्मिक प्रविधि का अध्यास करने की बाद दिलाते रहते थे।

द्वितीय में निवास करने वाले अमर गुरु, महावतार बाबाजी ने एक कुंभ मेले में श्रीयुक्तेश्वरजी से इसाई और हिंदू धर्मशास्त्रों के मध्य आधारभूत सौहार्द को दर्शाने वाली एक छोटी पुस्तक कैवल्य दर्शनम लिखने का अनुरोध किया। पूर्व और पश्चिम के बीच भविष्य में होने वाले सौभार्यपूर्ण आदान-प्रदान में महान भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें वर्चन करते थे, तथा उनके बालों के हल्के से स्पर्श से भी बिंदक जाने वाली संवेदनशील आंतरिक संकट का सामना कर रही है। श्रीरामर के उन रोगप्रस्त अंगों के समान हैं, जो जारा-सा हाथ लगाने से ही झटका मारकर पैछे हट जाते हैं।

यद्यपि उनके शब्दों का आक्रमण केवल उन्हीं शिष्यों पर होता था, जो उनके अनुसासन की मांग बढ़ाते थे, तथा उनके शब्दों में कभी भी क्रोध नहीं होता था। बल्कि जान की अलिप्तता होती थी। वे प्रायः इन शिष्यों के साथ उन्हें प्रोत्साहित किया करते थे, भविष्य में सब कुछ सुधर जायेगा, यदि तुम अपी से आध्यात्मिक प्रयास आरंभ कर दो। जिन शिष्यों ने उनके प्रशिक्षण को उचित भावाना के साथ कीवीकार किया है, अनेक बार में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने कालातंत्र में रोधी में योगदा संस्करण सोसाइटी ऑफ इंडिया और कैलिफोर्निया में सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की। एक शान्ती से अधिक पूर्व स्पासित ये संसाधन अपेक्ष से अधिक अंग और पश्चिम को क्रियायोग के वर्णनात्मक प्रकाश से आलोचना के हल्के से विवरण करते हुए तथा उनके बालों के हल्के से स्पर्श से भी बिंदक जाने वाली संवेदनशील आंतरिक संकट का सामना कर रही है। श्रीरामर के उन्नर्दियत उन्हें संभालना होगा, ताकि वह पश्चिम में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने अंतर्वर्ती शिष्यों के साथ उन्हें प्रोत्साहित किया करते थे, भविष्य में सब कुछ सुधर जायेगा, यदि तुम अपी से आध्यात्मिक प्रयास आरंभ कर दो। जिन शिष्यों ने उनके प्रशिक्षण को उचित भावाना के साथ कीवीकार किया है, अनेक बार में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने कालातंत्र में रोधी में योगदा संस्करण सोसाइटी ऑफ इंडिया और कैलिफोर्निया में सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की। एक शान्ती से अधिक पूर्व स्पासित ये संसाधन अपेक्ष से अधिक अंग और पश्चिम को क्रियायोग के वर्णनात्मक प्रकाश से आलोचना के हल्के से विवरण करते हुए तथा उनके बालों के हल्के से स्पर्श से भी बिंदक जाने वाली संवेदनशील आंतरिक संकट का सामना कर रही है। श्रीरामर के उन्नर्दियत उन्हें संभालना होगा, ताकि वह पश्चिम में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने अंतर्वर्ती शिष्यों के साथ उन्हें प्रोत्साहित किया करते थे, भविष्य में सब कुछ सुधर जायेगा, यदि तुम अपी से आध्यात्मिक प्रयास आरंभ कर दो। जिन शिष्यों ने उनके प्रशिक्षण को उचित भावाना के साथ कीवीकार किया है, अनेक बार में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने कालातंत्र में रोधी में योगदा संस्करण सोसाइटी ऑफ इंडिया और कैलिफोर्निया में सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की। एक शान्ती से अधिक पूर्व स्पासित ये संसाधन अपेक्ष से अधिक अंग और पश्चिम को क्रियायोग के वर्णनात्मक प्रकाश से आलोचना के हल्के से विवरण करते हुए तथा उनके बालों के हल्के से स्पर्श से भी बिंदक जाने वाली संवेदनशील आंतरिक संकट का सामना कर रही है। श्रीरामर के उन्नर्दियत उन्हें संभालना होगा, ताकि वह पश्चिम में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने कालातंत्र में रोधी में योगदा संस्करण सोसाइटी ऑफ इंडिया और कैलिफोर्निया में सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की। एक शान्ती से अधिक पूर्व स्पासित ये संसाधन अपेक्ष से अधिक अंग और पश्चिम को क्रियायोग के वर्णनात्मक प्रकाश से आलोचना के हल्के से विवरण करते हुए तथा उनके बालों के हल्के से स्पर्श से भी बिंदक जाने वाली संवेदनशील आंतरिक संकट का सामना कर रही है। श्रीरामर के उन्नर्दियत उन्हें संभालना होगा, ताकि वह पश्चिम में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने कालातंत्र में रोधी में योगदा संस्करण सोसाइटी ऑफ इंडिया और कैलिफोर्निया में सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की। एक शान्ती से अधिक पूर्व स्पासित ये संसाधन अपेक्ष से अधिक अंग और पश्चिम को क्रियायोग के वर्णनात्मक प्रकाश से आलोचना के हल्के से विवरण करते हुए तथा उनके बालों के हल्के से स्पर्श से भी बिंदक जाने वाली संवेदनशील आंतरिक संकट का सामना कर रही है। श्रीरामर के उन्नर्दियत उन्हें संभालना होगा, ताकि वह पश्चिम में योग के प्रचार का कार्य कर सके। वे प्रख्यात शिष्य श्रीशी परम्परांस योगानंद थे, जिन्होंने कालातंत्र में रोधी में योगदा संस्करण सोसाइटी ऑफ इंडिया और कैलिफोर्निया में सेल्फ-रियल

